जय गुरू नाना जय महावीर जय गुरू राम

प्रिय अध्यापकगण,

आप सभी को बच्चों का तीन महीने अक्टुबर, नवम्बर, दिसम्बर का कोर्स भेजा जा रहा है। इस कोर्स को 01 जनवरी 2022 से आपको अपनी पाठशाला में लागु करना है और इसके अनुरूप बच्चों को ज्ञान–ध्यान सिखाना है।

त्रैमासिक सिलेबस (साप्ताहिक पाठशाला हेतु)

1. सामायिक सिख रहे बच्चों के लिए – उनको सामायिक पूर्ण करना है, सामायिक के 32 दोष और लेने व पारणे की विधि, 3 मनोरथ, 5 अभिगम, ज्ञान सिखने के पहले व बाद का पाठ, 9 आचार्यों के नाम व 24 तीर्थंकरों के नाम सिखने है।

2. जिन्होंने प्रतिक्रमण शुरू किया है उन बच्चों के लिए – प्रतिक्रमण इच्छामि खमासमणों तक और जैन सिद्धांत बतीसी के 7 बोल सीखना है।

3. जिन्होंने प्रतिक्रमण इच्छामि खमासमणों तक पहला चरण सिख लिया है – उनको प्रतिक्रमण 12 अणुव्रत तक और जैन सिद्धांत बतीसी के 7 बोल तक सीखना है।

4. जिन्होंने प्रतिक्रमण 12 अणुव्रत तक पूर्ण कर लिया है – उनको प्रतिक्रमण और जैन सिद्धांत बतीसी के 7 बोल पूर्ण करना है।

5. जिन्होंने प्रतिक्रमण पूर्ण कर लिया है – उनको जैन सिद्धांत बतीसी के 10 बोल, भक्तामर की 5 गाथा, व 9 आचार्यों का जीवन परिचय व प्रतिक्रमण की विधी सीखना है।

6. जैन सिद्धांत बतीसी 11 से 20 बोल, भक्तामर की 06 से 10 गाथा, रामेश चालीसा 1 से 15 लाईन, सचित–अचित, सुपात्र दान

7. बारह भावना, भक्तामर की 11 से 20 गाथा व जैन सिद्धांत बतीसी के 20 से 32 सिद्धांत

विशेष यह है कि सभी पाठशालाओं के लिए हमनें ये एक नवीन पहल की है और आपको अपनी पाठशाला में इसे प्रभावी रूप से लागु करना है। आशा करते है कि हमेशा की तरह आपका सहयोग हमें मिलेगा ताकि हम चाहे गये लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

पुजा शाह
राष्ट्रीय संयोजिका समता संस्कार पाठशाला